श्री शिवाष्टकं (शंकराचार्य कृतं)

श्री शिवाष्टकं (शंकराचार्य कृतं)

तस्मै नमः परमकारणकारणाय
दीप्तोज्ज्वलज्ज्वलितपिंगळलोचनाय |
नागेंद्रहारकृतकुंडलभूषणाय
ब्रह्मेंद्रविष्णुवरदाय नमः शिवाय || 1 ||

श्रीमत्प्रसन्नशशिपन्नगभूषणाय
शैलेंद्रजावदनचुंबितलोचनाय |
कैलासमंदरमहेंद्रनिकेतनाय
लोकत्रयार्तिहरणाय नमः शिवाय || 2 ||

पद्मावदातमणिकुंडलगोवृषाय
कृष्णागरुप्रचुरचंदनचर्चिताय |
भस्मानुषक्तविकचोत्पलमल्लिकाय
नीलाब्जकंठसदृशाय नमः शिवाय || 3 ||

लंबत्सपिंगळजटामुकुटोत्कटाय
दंष्ट्राकराळविकटोत्कटभैरवाय |
व्याघ्राजिनांबरधराय मनोहराय
त्रैलोक्यनाथनमिताय नमः शिवाय || 4 ||

दक्षप्रजापतिमहामखनाशनाय
क्षिप्रं महात्रिपुरदानवघातनाय |
ब्रह्मोर्जितोर्ध्वगकरोटिनिकृंतनाय
योगाय योगनमिताय नमः शिवाय || 5 ||

संसारसृष्टिघटनापरिवर्तनाय
रक्षः पिशाचगणसिद्धसमाकुलाय |
सिद्धोरगग्रहगणेंद्रनिषेविताय
शार्दूलचर्मवसनाय नमः शिवाय || 6 ||

भस्मांगरागकृतरूपमनोहराय
सौम्यावदातवनमाश्रितमाश्रिताय |
गौरीकटाक्षनयनार्धनिरीक्षणाय
गोक्षीरधारधवळाय नमः शिवाय || 7 ||

आदित्यसोमवरुणानिलसेविताय
यज्ञाग्निहोत्रवरधूमनिकेतनाय |
ऋक्सामवेदमुनिभिः स्तुतिसंयुताय
गोपाय गोपनमिताय नमः शिवाय || 8 ||

इति श्रीमच्छंकराचार्यकृत शिवाष्टकं |